

आओ पता लगाएँ



निर्मल है, सुंदर है, पर कीचड़ में उगता है
पानी में रहता है, पर पानी से अछूता है

काँटों की डाली पर उगता वह प्यारा—प्यारा फूल
प्यार में सभी लेते—देते, कोई करता नहीं भूल

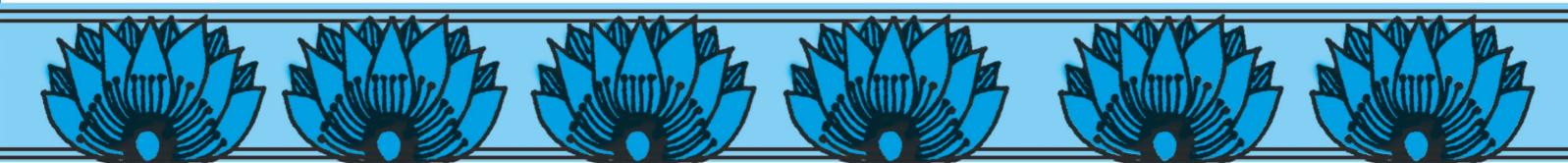
सूरज को देख देख वह खिलता जाता
बड़ा मुख, पंखुड़ी बड़ी, पीला रंग वह पाता

हरी बेल पर सफेद मोतियों के गुच्छे जब आते हैं
खिलते ही फैले खुशबू, सब के मन वे भाते हैं

पीले रंग का फूल है छोटी पंखुड़ी वाला
तीज, त्यौहार, स्वागत सब पर, बनती उसकी माला

लंबी सी डंडी, छोटे—छोटे फूल
सफेद सुंदर रंग है, न कोई शूल
दिन को महकाए 'रातों' को दे 'गंध'
अकेला ही भरपूर है, बूझो ये छंद

सूरजमुखी, गुलाब, रजनीगंधा, गेंदा, कमल, चमेली

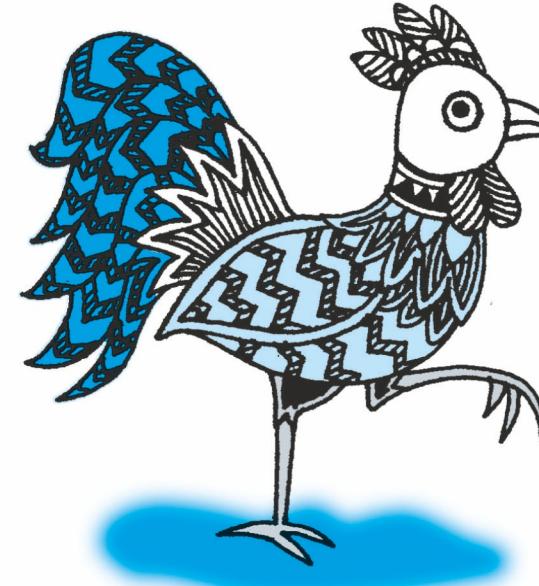




सुंदर काले रंग की पंछी
देखते ही उड़ जाती है
जंगल—जंगल घूमती—फिरती
मीठे गीत सुनाती है

पक्षी है वह पंखों वाला, तैरना उसको भाए
मछली उसका खाना, पानी में डुबकी जब लगाए
महलों में वह रहता है पर राजा नहीं है
दाना चुगने जगह—जगह जाता पर मेहमान नहीं है
मंदिर—मस्जिद में रहता पर भक्त नहीं है

लंबी—लंबी देकर बाँग, करता है आराम हराम
कुकड़ू—कुकड़ू करके दिन भर दाना खाना उसका काम

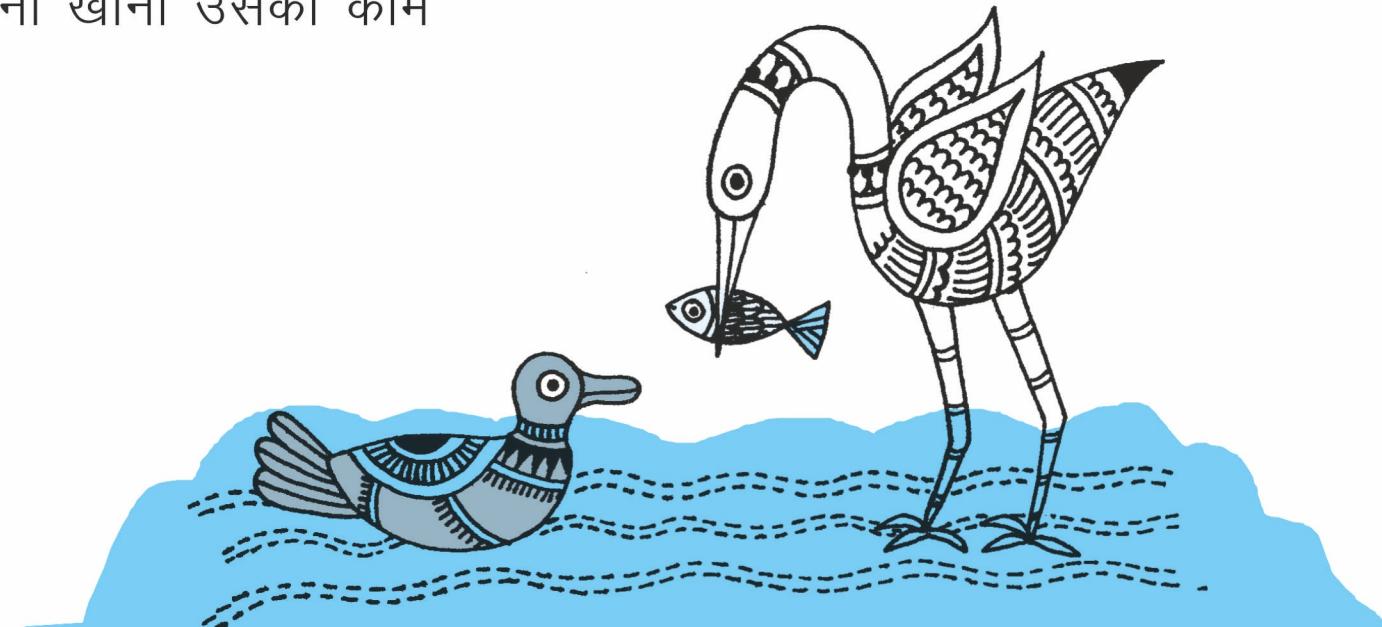


लंबी गर्दन, सिर पर मुकुट,
बदन चमचमाता
पंखों पर कई आँखें
उसका रूप सभी को भाता

काले रंग के कपड़े पहने, काम में रहते चुस्त
एक बुलाओ सब आ जाते, रहते सारे मस्त

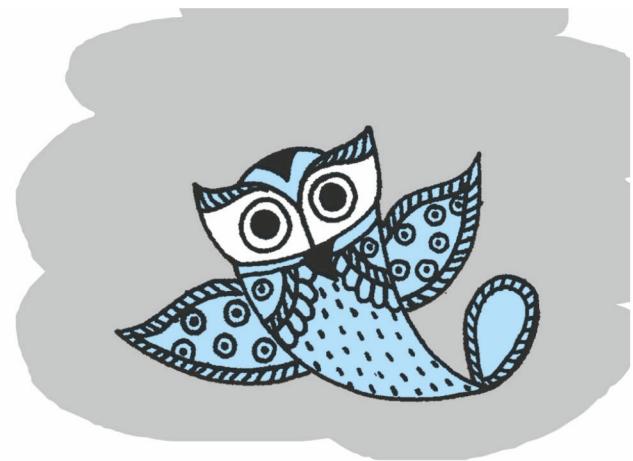
जिसके हैं दो पैर लंबे, दौड़े घोड़े सा तेज
पंख है पर उड़े नहीं, देखो उसका भेस

रात जागे, दिन में सोए, अंधेरे में करे शिकार
पेड़ों के कोटर में रहता, आँखें उसकी गोलाकार



हरा—हरा रंग है उसका
गले में पहने माला
तुम बोलो वैसा वो बोले
घर—जंगल में रहने वाला

उड़—उड़कर तिनके जुटाती वो
बुन—बुनकर सुंदर घर बनाती वो
झूल—झूलकर घर में सो जाती वो
सोचकर बतलाओ जल्दी कौन है वो



चोंच है टेढ़ी, आँखें पैनी,
उड़ता है आकाश में ऊँचे
नज़रें फेंके जब भी देखे,
आ जाता वो झट से नीचे

एक टांग पर खड़ा रहता
चुन—चुन मछली खूब चबाता

पंखों पर सफेद धब्बे, चोंच का पीला रंग
जैसा तुम बोलो वो बोले, कर दे सबको दंग

गिछ्छ, मार, कोयल, तोता, कबूतर, कौआ, बया, मुर्गी, उल्लू
मैना, शुतुरमुर्ग, सारस, बतख

